ISSN-2230-7540

संख्या व प्रतिशत के आधार पर समाचार–पत्रों में साहित्य–सामग्री का स्थान

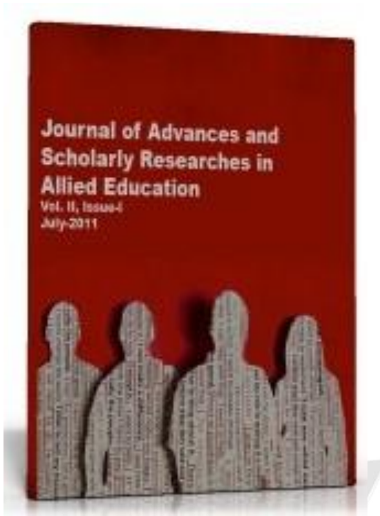

Suman
Reseach Scholar, CMJ University, Shillong, Meghalaya

Dr. Ishwar Singh
Reseach Scholar, CMJ University, Shillong, Meghalaya

IGNITED MINDS Journals

शोध में साहित्य व पत्रकारिता दोनों को अध्ययन का आधार माना गया है। अतः क्रमानुसार पत्रकारिता, साहित्य व दोनों के परस्पर सम्बन्धों पर दृष्टि डालना इस शोध में स्वाभाविक जान पड़ता है।

पत्रकारिता आज सर्वाधिक प्रचलित व लोकप्रिय विधा है। यह दैनिक जीवन और मानव जिज्ञासा की सूत्रधार है। रोटी, कपड़ा व मकान के समान ही पत्रकारिता भी सामान्य शिक्षित वर्ग के लिए आवश्यक बन गई है। मूलरूप से पत्रकारिता का सम्बन्ध समाचार–पत्र से है। सामान्यतः पत्र का आशय चिट्ठी से होता है। जिस प्रकार चिट्ठी में हम घर और आस–पास के समाचार प्रस्तुत करते हैं। वैसे ही समाचार–पत्र में देश विदेश की खबरें छपती हैं।[1] अंग्रेजी का न्यूज शब्द भी समाचार की व्यापकता की ओर संकेत करता है।

सभ्य समाज के लिए मानसिक अल्पाहार है। पत्रकारिता का सबसे प्रमुख अंग समाचार–पत्र है।समाचार–पत्रों के माध्यम से ही नित्य नूतन दैनिक घटनाएं तथा प्रसंग हमारे समक्ष प्रस्तुत हो सकते हैं। समाज अथवा राष्ट्र पत्रकारिता के माध्यम से ही अभिव्यक्ति पाता है। चाहे वह राजनीतिक परिवर्तन हो, सामाजिक विसंगति अथवा साहित्यिक गतिविधि। पत्रकारिता प्रत्यक्ष रूप से जन जीवन से जुड़ी हुई है। जनसमस्याओं को उजागर करके उन्हे शासन तक पंहुचाने के लिए पत्रकारिता से सशक्त माध्यम ओर कोई नहीं है। यह जनता और सरकार के मध्य सेतु का कार्य करती है। इसी कारण पत्रकारिता को लोकतंत्र का

[1]गोदरे, विनोद, हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली (पृष्ठ सं.–13)

चौथा स्तम्भ कहा जाता है।[2] न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और प्रेस के बिना लोकतंत्र निरर्थक है। पत्रकारिता के माध्यम से समाज को एक दिशा प्राप्त होती है।

शोध हेतु छः राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार–पत्रों के कुल 402 अंको का चयन किया गया है। जिसमें दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण, दैनिक ट्रिब्यून, नवभारत टाइम्स व जनसत्ता को शामिल किया गया है। "शोध का आधार, सामग्री का अनुपात, स्थान का अनुपात, साहित्य का उद्देश्य, विधा, तत्व, भाषा, स्वरूप, विषय, वाक्य संरचना तथा शैली को रखा गया। समाचार–पत्रों में साहित्यिक समाचारों की संख्या व स्थान पर भी विचार किया गया।

सारणी 1 –संख्या के आधार पर समाचार–पत्रों में साहित्य–सामग्री का स्थान

समाचार–पत्र	कुल स्थान (से.मी.)	साहित्य–सामग्री स्थान (से.मी.)
दैनिक भास्कर	305856	5153
दैनिक ट्रिब्यून	344680	5657
अमर उजाला	393128	5707
जनसत्ता	273672	2474
दैनिक जागरण	350992	1834
नवभारत टाइम्स	328640	1412

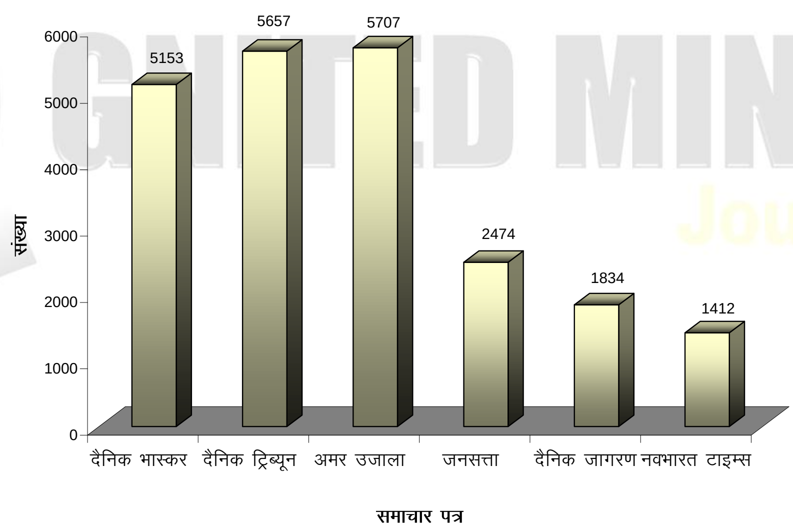

प्रस्तुत सारणी में समाचार–पत्रों में साहित्य–सामग्री को दिये गए स्थान से सम्बन्धित तथ्यों को दर्शाया गया है। जिसके अनुसार दैनिक भास्कर में कुल 305856 सें.मी. स्थान में से साहित्य को 5153 सें.मी. स्थान दिया गया। इसी क्रम में दैनिक ट्रिब्यून ने 344680 से.मी. में से साहित्य को 5657 से.मी. का स्थान दिया। अमर उजाला में 393128 सें.मी. में से 5707 सें.मी. का स्थान साहित्य के लिए प्राप्त हुआ। जनसत्ता में 273672 से.मी. में से साहित्य को 2474 से.मी. का स्थान मिला। दैनिक जागरण

[2]विष्णु पंकज, हिन्दी पत्रकारिता का सुबोध इतिहास, रचना प्रकाशन, जयपुर (पृष्ठ सं.–1)

ISSN-2230-7540

में 350992 से.मी. में से साहित्य को 1834 सें.मी. का स्थान दिया। इसी प्रकार नवभारत टाइम्स द्वारा कुल प्रकाशित स्थान 328640 से.मी. में से 1412 से.मी. का स्थान साहित्य हेतु दिया गया।

सारणी 2 – प्रतिशत के आधार पर समाचार–पत्रों में साहित्य–सामग्री का स्थान

समाचार–पत्र	कुल स्थान (से.मी.)	साहित्य–सामग्री स्थान (से.मी.)	प्रतिशत
दैनिक भास्कर	305856	5153	1.68
दैनिक ट्रिब्यून	344680	5657	1.64
अमर उजाला	393128	5707	1.45
जनसत्ता	273672	2474	0.90
दैनिक जागरण	350992	1834	0.52
नवभारत टाइम्स	328640	1412	0.43

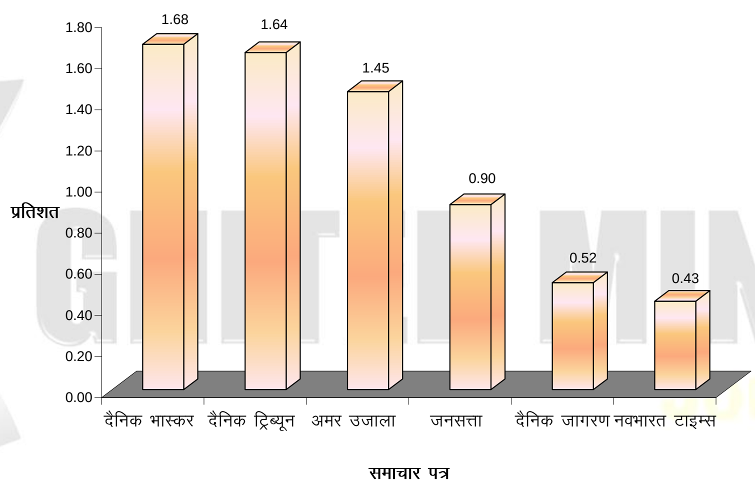

प्रस्तुत तालिका में साहित्यिक सामग्री के स्थान का वि”लेषण प्रस्तुत है। जिसके अन्तर्गत दैनिक भास्कर की कुल प्रकाि”ात साहित्यिक सामग्री 1.68 प्रति”ात, दैनिक जागरण की 0.52 प्रति”ात, दैनिक ट्रिब्यून की 1.64 प्रति”ात, अमर उजाला की 1.45 प्रति”ात, नवभारत टाइम्स की 0.43 प्रति”ात एवं जनसत्ता की कुल प्रकाि”ात साहित्यिक सामग्री मात्र 0.90 प्रति”ात है।

निष्कर्ष

संख्या के आधार पर सारणी से स्पष्ट है कि साहित्य हेतु सर्वाधिक स्थान (5707 से.मी.) अमर उजाला द्वारा दिया गया। जबकि नवभारत टाइम्स ने साहित्य को न्यूनतम (1412 से.मी.) स्थान दिया है।

प्रतिशत के आधार पर प्रस्तुत सारणी से यह स्पष्ट होता है कि दैनिक भास्कर साहित्य–सामग्री प्रका”ान हेतु अन्य समाचार–पत्रों की तुलना में अधिकतम (1.68 प्रतिशत) स्थान देकर प्रथम स्थान पर है, इसी प्रकार दैनिक टिब्यून 1.65 प्रतिशत

ISSN-2230-7540

के साथ दैनिक भास्कर के समकक्ष है। किन्तु नवभारत टाईम्स साहित्य ऐसा समाचार–पत्र है जो साहित्य हेतु न्यूनतम स्थान (0.43 प्रतिशत) देता है।

संदर्भ–ग्रन्थ

1. डॉ. माणिक, समाचार–पत्रों की भाषा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1999।
2. पारिख जावरी मल्ल, जनसंचार के सामाजिक संदर्भ, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली, 2001।
3. पंतजलि प्रेमचन्द, मीडिया के पचास वर्ष, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 1997।
4. डॉ. नगेन्द्र, विचार और विश्लेषण, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस।
5. डॉ. हंस कृष्ण लाल, समीक्षा शास्त्र, ग्रंथम राम बाग, कानपुर।
6. डॉ. द्विवेवी सूर्य नारायण, भारतीय समीक्षा सिद्धान्त, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
7. राय गुलाब, साहित्य और समीक्षा, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली।
8. राय गुलाब, साहित्य और समीक्षा, साहित्य रत्न भण्डार, आगरा।
9. चौहान शिवदान सिंह, साहित्यानुशीलन, आत्माराम एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1955।
10. डॉ. दीक्षित भागीरथ, समीक्षा लोक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
11. डॉ. शर्मा ओमप्रकाश, आलोचना के सिद्धान्त, पदम बुक कम्पनी, जयपुर।
12. रजवार इन्द्र चन्द्र, पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार, जनाप्रकाशन, दिल्ली।
13. किशोर राज, पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. पंत नवीन चन्द्र, पत्रकारिता के मूल सिद्धान्त, कनिष्का पब्लिशर्ज, दिल्ली।
15. डॉ. हरिमोहन, समाचार फीचर लेखन और सम्पादन कला, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
16. गोस्वामी प्रेम चन्द, पत्रकारिता के प्रतिमान, यूनिक ट्रेडर्स, जयपुर।